1 सीख
(कविता)

प्रतिध्वनि

प्रकृति की सभी चीजों में कुछ ना कुछ अद्भुत है। – अरस्तू

दूर पहाड़ हमें सिखलाते,
बनो अचल मन साधो।
करो परिश्रम अंतिम दम तक,
मत जीवन से भागो।

झिलमिल-झिलमिल तारे कहते,
सदा चमकते रहना।
अंधकार कितना ही फैला,
हर पल लड़ते रहना।

कलम सिखाती हमको लिखना,
पुस्तक ज्ञान बढ़ाना।
लहर-लहर लहरें सिखलातीं,
लहराते ही जाना।

जीवन का उद्देश्य है बढ़ना,
नई मंजिलें पाना।
पहुँच गगन में जाओ तुम,
पर, धरती नहीं भुलाना।

21:36

Scanned with CamScanner

Class 2 पाठ 1 'सीख'

कविता का भावार्थ -प्रकृति हर क्षण हमें एक नई सीख देती है ।जिस प्रकार पर्वत हमेशा अपने स्थान पर बिना हिले खड़ा रहता है उसी प्रकार हमें भी अपने मन को स्थिर रखना चाहिए । हमें हमेशा परिश्रम करना चाहिए क्योंकि बिना परिश्रम के कोई भी कार्य संभव नहीं है।

आसमान में झिलमिलाते हुए तारे हमें सदैव चमकने की सीख देते हैं चाहे कितना भी अंधेरा हो हमें उम्मीद नहीं छोड़ना चाहिए। हमें हर मुसीबत का सामना करना आना चाहिए।

इसी प्रकार कलम से लिखना और पुस्तक से जानकारियाँ प्राप्त करते हैं ।सागर की लहरें हमें जीवन में उमंग एवं जोश के साथ जीना सिखाती हैं।

हम कितनी भी ऊँचाई एवं सफलता प्राप्त कर लें ,हमे हमेशा प्रकृति से जुड़े रहना है क्योंकि यह हमारे जीवन का आधार है ।

जीवन मूल्य -हमें अपने आस-पास की प्रत्येक वस्तु को सकारात्मक रुप से देख कर सदा सीख लेनी चाहिए ।

नोट - केवल पढ़ने एवं समझने के लिए।

Scanned with CamScanner

Class 2 पाठ 1 'सीख'

प्रश्न - पहाड़ हमें क्या सीख दे रहे हैं?
उत्तर - पहाड़ हमें अपने मन को स्थिर रखने की सीख दे रहे हैं।
प्रश्न -आसमान में तारों से हमें क्या सीख मिलती है?
उत्तर - तारे हमें सदैव चमकने की सीख देते हैं।
प्रश्न- कलम तथा पुस्तक हमे क्या सिखलाती हैं?
उत्तर- कलम लिखना और पुस्तक ज्ञान तथा जानकारियाँ देती हैं ।
प्रश्न - जीवन का उद्देश्य क्या होना चाहिए?
उत्तर - जीवन का उद्देश्य निरंतर प्रगति करते हुए उपलब्धियों को प्राप्त करना है ।

Scanned with CamScanner

Class 2 पाठ 1 ' सीख'

प्रश्न - सही शब्द से रिक्त स्थान भरिए-

(क) झिलमिल- झिलमिल तारे कहते,
सदा चमकते रहना ।

(ख) लहर - लहर लहरे सिखलाती,
लहराते ही जाना ।

(ग) करो परिश्रम अंतिम दम तक,
मत जीवन से भागो ।

Scanned with CamScanner